Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 5326160

Roll No. 24029000612
Total Mark 55/75.00
Exam MASTER OF ARTS_ODD EXAM-DEC-24
Subject A010704T - KATHA SAHITYA

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	3/5						
1B	4/5						
1C	3/5						
1D	4/5						
1E	4/5						
1F	4/5						
1G	3/5						
1H	3/5						
1I	4/5						
2	NA/15						
3	NA/15						
4	NA/15						
5	12/15						
6	NA/15						
7	11/15						
8	NA/15						
9	NA/15						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

Date of Exam 4-1-25 Shift Ist Room No. 2
Paper Code A010704T Subject Hindi Year/Sem Ist
Name of Candidate Sahastranshu Mishra
Roll No. 2402900612

Signature of Candidate: सहस्त्रांशु मिश्रा
Signature of Invigilator: Aadosh
COE Facsimile

PART-II

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures | Max. Marks
Total Marks in Words

A010704T
Paper Code

Signature of Evaluator

Course MA Hindi
Session 2024-25 Year/ Semester Ist
Subject Name Hindi
Medium English ○ Hindi ●

Paper Code
A010704T

Exam Date
04 01 2025

Name of Candidate
SAHASTRANSHU MISHRA

Father's Name
KAMLESH MISHRA

महाविद्यालय का कोड
College Code
KN0L

परीक्षा केंद्र का कोड
Exam Centre Code
KN0L

परीक्षा का प्रकार
Type of Exam
संस्थागत Regular ● भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex- Student ○
व्यक्तिगत Private ○ बैक पेपर परीक्षा Back Paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.
5326160

A010709T
Paper Code

नामांकन संख्या
Enrollement Number C S J M A 24000119560

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number
2402900612

पेपर कोड Paper Code
A010704T

सहस्त्रांशु मिश्रा
Signature of Candidate

Aadosh
Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट- 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. कॉलम में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below, blacken thecircles completely.

Correct Method	Incorrect Method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ⓪

4. Make no Stray marks o n this sheet.

5. DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.

IN ORDER TO AVOD UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/electronic/digital/ watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु :

1. उत्तर पुस्तिका के निर्धारित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की श्रेणी में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ छाड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, डिजिटल वॉच, कॉपी, पुस्तक एवं सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लेस साइंटिफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की श्रेणी में आता है।

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र ID सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या फटे हुए है, तो परी शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसकी परीक्षा होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई का नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. बी कॉपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-24) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Sub Name, and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of th commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex- Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	●	1	●	1	1	1	1	●	1	1
2	2	2	2	2	2	2	●	2	2	2
3	3	3	3	3	3	●	3	3	3	3
4	4	4	4	4	●	4	4	4	4	4
5	5	5	5	●	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	●	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	●	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	●

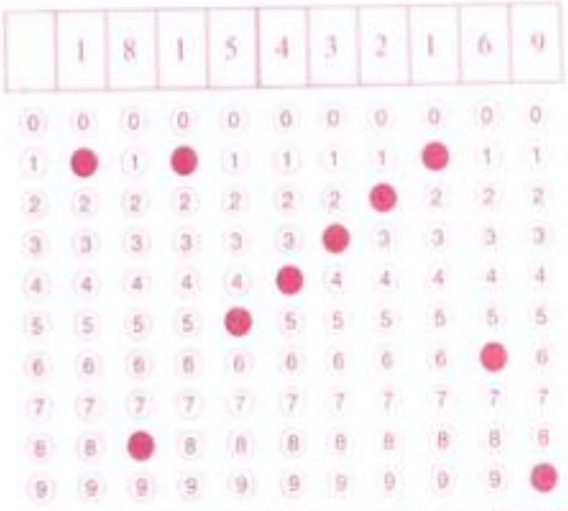

Note- If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns .

खण्ड- अ

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर सं० 1
(A)

'गोदान' उपन्यास, नामकरण की सार्थकता –

गोदान प्रेमचंद जी द्वारा रचित ऐसा उपन्यास है, जिसने तत्कालीन कृषक समाज व उनके जीवन की वास्तविक समस्याओं को उकेरा। गोदान में मुख्य पात्र होरी एक साधारण किसान है, तथा व परिश्रमपूर्वक अपना जीवन यापन करता है।

'गोदान' शब्द पूर्ण रूप से कथानक एवं उपन्यास से जुड़ा है तथा सार्थक है; क्योंकि गोदान शब्द; गो तथा दान से मिलकर बना है। यह गाय के दान की ओर संकेत करता है; जब एक बार मेले से लौटते समय मुख्य पात्र

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

होरी, भोला को वापस आते देखता है तो साथ की उसके द्वारा खरीदी गायों को देख उसका मन लालायित हो उठता है। वार्ता के क्रम में भोला जोकि विधुर है विवाह का लालच देता है एवं भोला होरी को गाय देने की बात करता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि गाय / गोवंश, कृषक समाज (तत्कालीन) की वास्तविक निधि है। अतः यह पारस्परिक लेन-देन एक वस्तु विनिमय का-सा संकेत है। अतः इस प्रकार 'गोदान' सार्थक प्रतीत होकर, उपन्यास को नेतृत्व कर रहा है।

(B)

आंचलिक उपन्यास का अर्थ -

आँचल शब्द में इक प्रत्यय लगाकर बना ये शब्द वास्तव में ग्रामीण या क्षेत्र विशेष की ओर संकेत करता है।

ऐसा उपन्यास जिसकी रचना का आधार, या कथांचल ग्रामीण / क्षेत्र विशेष को ध्यान में रखकर की गई हो ; आंचलिक कहलाता है।

आंचलिक उपन्यास की संज्ञा इन उपन्यासों को ही दी जा सकती है, जिनमें

- कथाभूमि अंचल विशेष की हो
- पात्र योजना में अंचल का ध्यान रखा गया हो।
- संवाद एवं भाषा शैली में अंचल या क्षेत्र विशेष की भाषा के शब्द यथा देशी एवं सरलता हो।
- कथा को चालन भी अंचल द्वारा ही मिलता रहे, बाहर से पुनर्चलन की आवश्यकता न पड़े।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

आंचलिक उपन्यास एक प्रकार से ग्राम्य जीवन अथवा ग्राम का पूरा वास्तविक लेखा जोखा होता है, जो स्वयं ही उपन्यास को गति प्रदान करता है।

पात्र रचना उनके विचार, उनके रीति रिवाज सभी आंचल / ग्राम की पृष्ठभूमि में रचे होते हैं।

आंचल की प्रकृति विशेष एवं सामाजिक तान-बान का पूरा ध्यान रखा जाता है।

'मैला आंचल' रेणु जी द्वारा रचित ऐसा ही उपन्यास है।

(c)

उसने कहा था कहानी के संकलन त्रय पर संक्षिप्त टिप्पणी -

'उसने कहा था' कहानी चन्द्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा रचित ऐसी कहानी है जिसमें प्रेम की पराकाष्ठा के स्वरूप को चित्रित किया गया है। इसे संकलन में तीन कहानियों को संकलित किया है; जो इस प्रकार है -

- सुखमय जीवन → 1911
- बुद्धू का काँटा → 1912
- उसने कहा था → 1915

'उसने कहा था' कहानी की पृष्ठभूमि प्रथम विश्वयुद्ध की है। जहां नायक 'लहना सिंह' अपनी बचपन की प्रेमिका

Do Not Write anything in this Portion

के पति एवं पुत्र की रक्षा हेतु अंतिम समय सजग रहा है तथा प्राणोत्सर्ग कर देता है।

'उसने कहा था' कहानी 1915 में 'सरस्वती' पत्रिका में प्रकाशित हुई। इस कहानी में प्रेम की [illegible] एवं वचन विश्वास की मजबूती को अत्यंत अनूठे ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

Paper Code

(D)

'कफ़न' कहानी का अतियथार्थ –

घीसू, माधव तथा बुधिया इन तीन मुख्य पात्रों को केंद्र में रखकर 'कफ़न' कहानी को प्रेमचंद्र द्वारा रचा गया है।

'कफ़न' मनुष्य को झकझोर देने वाली या यों कहें मन को तोड़ देने वाली कहानी है; कुछ घटनाक्रम अवोल्लिखित हैं, यथा –

- बुधिया का विवाहोपरांत अत्यंत दुरूह जीवन
- प्रसव वेदना में व्याकुल व एकाकी तड़पती स्त्री (बुधिया)
- पुत्रवधू (घीसू की) व पत्नी (माधव की) की मृत्योपरांत अंतिम क्रियाकर्म के नामपर चंदा पूछना।

एवं लोगों द्वारा सहानुभूतिवश दिए गए धन को पत्नी एवं बहू के अंतिम क्रिया-कर्म पर न लगाकर 'मछली व शराब' का भोग। इस प्रकार लेखक ने

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

जिसमें अतिवर्षीय को बताया है कि कैसे तड़पती बुधिया को अकेला छोड़ देता है उसका सुहागनी पति माधव। भूख की आँखों द्वारा सामाजिक भ्रष्टाचार का यथार्थ एवं अंत में उसे कफन भी नसीब नहीं हुआ ऐसी वास्तविकता का चित्रण है।

जब-जब प्रेमचंद पर आदर्शवादी होने के आक्षेप लगाया जाता है, तब-तब 'कफन' जैसी कहानी यथार्थ का सर्वश्रेष्ठ चित्रण लेकर खड़ी हो जाती है।

(E)

'चीफ की दावत' कहानी का उद्देश्य -

भीष्म साहनी ने जिन यथार्थवादी आधार पर 'चीफ की दावत' कहानी को लिखा है, वह मात्र के इस समाज की वास्तविक अभिव्यक्ति है। 'चीफ की दावत' कहानी के उद्देश्य इस प्रकार है—

• "तथाकथित आधुनिक कहलाने की होड़ में नैतिकता का पतन" शामनाथ (मुख्य पात्र) के द्वारा दिखाया गया है।

जब बाबू शामनाथ एक बार अपने घर पर ऑफिस के बॉस (चीफ) को आमंत्रित करते हैं, (चीफ की नजरों में वफादार या योग्य बनने की चाह में (प्रमोशन इच्छा से ग्रसित हो)) तब शामनाथ के घर हर कम अच्छी दिखने वाली चीजों के साथ शामनाथ की माँ की भी समीक्षा (अनचाही इच्छा के भाव) प्रकट किए जाते हैं। प्रेमपूर्ण एवं स्नेहमयी माँ के वात्सल्य पर आधुनिकता व नैतिक पतन का करुण चित्रण भीष्म साहनी द्वारा किया गया है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

(F)

'परिंदे' कहानी की प्रमुख पात्रा का चरित्रांकन -

प्रतीकात्मक शीर्षक के मुख से सजी [illegible]ल वर्मा की यह कहान[illegible] पहाड़ी हॉस्टल की पृष्ठभूमि की है; यहाँ की वार्डन और मुख्य पात्रा मिस लतिका है। मिस लतिका संक्षिप्त चरित्रांकन यथोल्लिखित है।

• सच्ची प्रेमिका - मिस लतिका की प्रमुख विशेषता यह है कि वह सच्ची प्रेमिका है।

इनके प्रेमी 'गिरीश नेगी' की मृत्यु युद्ध में हो चुकी है; परन्तु वह अभी भी इनकी यादों में जीवित है। इन्होंने न विवाह किया है; न ही कोई अन्य प्रेमी।

• आकर्षक व्यक्तित्व व सुंदरता से विभूषित -

मिस लतिका का आकर्षक व्यक्तित्व उनकी ओर सबको खींच लाता है। ह्यूबर्ट भी इसके अपवाद नहीं हैं। वह मिस लतिका को प्रेमपत्र भी लिखते हैं।

Paper Code

सुंदर ऐसी कि, उनके दिवंगत प्रेमी ने इन्हें – 'मैन ईटर ऑफ कुमायूँ' की संज्ञा दे रखी थी।

•) सहृदय एवं सहज –

मिस लतिका सहृदय भी हैं एवं सहज भी, इन्हें ह्यूबर्ट का प्रेम परेशान नहीं करता एवं अंत में जूली (छात्रा) को मिला फौजी का प्रेम पत्र भी रख देती है, जूली की तकिये के ही नीचे।

इस प्रकार मिस लतिका 'परिंदे' कहानी की सशक्त एवं उचित पात्रा / नायिका है।

(5)

'पिता' कहानी की प्रमुख समस्या -

वृद्ध विमर्श पर आधारित 'ज्ञानरंजन' की 'पिता' कहानी की समस्या निम्नलिखित है—

- परम्परागत जीवन के साथ आधुनिक परिवर्तन की अनबन —

'पिता' ऐसे व्यक्ति के परिचायक हैं, जो साधारण जीवन के आदी हैं। वो ऐसे ही तो जीवन को सरलता से जीते हैं; परन्तु उनके बच्चे / पुत्र इसमें कुछ बदलाव चाहते हैं; यथा पिता आधुनिक हो जाएं (शावर में नहाएं, कॉफी पियें, कूलर में सोयें, कमरे में रहें इत्यादि) परन्तु 'पिता' इसके लिए तैयार नहीं होते; और आधुनिक बच्चों को भी [illegible] रोकते। परंतु [illegible] से सम्पन्न पुत्र पिता को आधुनिक साधनों का सुख दिलाना चाहते हैं; एवं इधर वहीं पिता बच्चों को जीवन में दखल नहीं देना चाहते व परिवर्तन को स्वीकार नहीं करते।

(H)

प्रेमचंद की औपन्यासिक निधि -

उपन्यास सम्राट के पद पर सुशोभित, प्रेमचंद ऐसे कथाकार एवं उपन्यासकार हैं, जिनके [illegible] उपन्यास में सम्पूर्ण जीवन [illegible] है।

- गबन
- गोदान
- बूढ़ी काकी

जैसी कृतियों में प्रेमचंद को 'उपन्यास सम्राट' कह देने का कारण [illegible] लेने में देर नहीं लगती। ईदगाह, पूस की रात, कफन आदि कहानियों में प्रेमचंद ने अपनी लेखन कला का चरमोत्कर्ष दिखाया है।

प्रेमचंद ने अपने उपन्यासों में शोषित वर्ग को केंद्र में रखकर रचना की है।

"प्रेमचंद के उपन्यास ही भारतीय समाज के शोषण की [illegible] एवं प्रगतिवादी संघर्ष की गूंज है।" - निर्मल वर्मा।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

(I)

'रज्जुआ' के चरित्र की चार विशेषताएं -

रज्जुआ 'जिंदगी और जोंक' कहानी का पात्र है; इसके लेखक अमरकांत है; रज्जुआ की चार विशेषताएं इस प्रकार है -

- **मेहनतकश** - रज्जुआ मेहनत करने में हमेशा तैयार है; घर के काम करते [illegible] खाने पर भी वह ना नहीं करता।
- **आज्ञाकारी** - मोहल्ले के हर व्यक्ति की बात [illegible] सुनता है; कभी भी मालिक की आज्ञा को अनदेखा नहीं करता।
- **जीवट** - जीवन के प्रति उसकी मजबूत पकड़ 'चिट्ठी' वाले प्रसंग में स्पष्ट दिख पड़ती है।
- **प्रगतिपथ पर उन्मुख** - वह धीमे-2 अपनी जीवन को रास्ते पर लाता है, प्रगति के प्रति उसका लगाव [illegible] में उसका रुझान बताता है।

खण्ड-ब

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर सं० 5

~~[illegible]~~ 'तीसरी कसम' कहानी की समीक्षा-

फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा रचित कहानी 'मारे गए गुलफाम उर्फ तीसरी कसम' कहानी जीवन के सघर्षों से मिली सीखों पर आधारित एक कहानी है, जो कि गाड़ीवान हीरामन के माध्यम से आगे बढ़ती है, कहानी कला के मुख्यतः छह तत्त्व माने गए हैं,—

1) कथानक की गति
2) पात्र योजना या चरित्रांकन
3) कथोपकथन या संवाद
4) देशकाल या वातावरण
5) भाषा
6) उद्देश्य

इन तत्त्वों के आधार पर

Do Not Write anything in this Portion

तीसरी कसम कहानी की समीक्षा इस प्रकार है –

कथानक

कथानक ही किसी कहानी का प्राण होता है। तीसरी कसम यह प्राण बहुत रोचक व सरल है।

किस प्रकार हीरामन के जीवन में पहली कसम

- तस्करी का माल न लादना

दूसरी
- बाँस की लदनी न लेना

तीसरी
- नौटंकी की औरत को गाड़ी पर न बैठाना।

किन परिस्थितयों में लेनी पड़ी, कहानी का पूरा मामला मिलता है। घटनाएँ वास्तव में है एक दूसरे से जुड़ी हुई है।

पात्र योजना –

कहानी का मुख्य पात्र 'हीरामन' है, जो कि गाड़ीचालक है एवं बैलगाड़ी से माल एवं यथासमय सवारी ढोता

रहता है; दूसरी ओर मशहूर हीराबाई जो नौटंकी में नृत्य करती है। सबरो अपनी भूमिका कुशलतापूर्वक निभा रहे हैं। यथाआवश्यक अन्य पात्र भी सम्मिलित किए हैं; जो कि अनावश्यक बिल्कुल नहीं लगते बल्कि कहानी को गति ... बल प्रदान करते हैं।

• कथोपकथन एवं वातावरण -

कथोपकथन एवं वातावरण भी कहानी के अनुरूप ही है। हीरामन की बातें एवं विचार एक गाड़ीचालक के स्तर के अनुकूल है। चूंकि वह एक पुरुष है, परन्तु मर्यादा को भंग वह नहीं करता एवं हीराबाई को नौटंकी की नर्तकी के रूप में भी सम्मान देना नहीं भूलता।

यात्रा के दौरान भौगोलिक चित्रण भी सटीक एवं हर तरह उचित मिलता है। जिस प्रकार स्टेशन और कंपनी का चित्रण है, यह कहानी की उत्कृष्टता का परिचायक है।

देशकाल एवं वातावरण के आधार पर भी कहानी एकदम खरी उतरती है।

Do Not Write anything in this Portion

भाषा, उद्देश्य एवं शीर्षक

कहानी की भाषा एकदम सरल तथा [illegible]गत है; कहानी में ऐसी भाषा [illegible] चयन है, जो तत्कालीन समय व [illegible] का प्रतिनिधित्व करे।

जीवन से शिक्षा लेने का संदेश, लेखक ने उद्देश्य रूप में प्रेषित किया है; जो [illegible] लक्ष्य को पूरा करता है। चूंकि [illegible] को आयाम ही नायक की सौगन्धों या कसमों से मिला 'तीसरी कसम' से उपयुक्त शीर्षक नहीं हो सकता।

अतः तीसरी कसम एक उत्कृष्ट कहानी है।

खण्ड-सं

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर सं० 7

'वापसी' कहानी में वर्तमान युग की समस्याए-

'वापसी' उषा प्रियंवदा द्वारा लिखी गई ऐसी कहानी है जिसमें अतीत और आधुनातन परिस्थितयों को भलीभांति उकेरा गया है —

वापसी कहानी के प्रमुख पात्र 'गजाधर बाबू' हैं; जो अपनी नौकरी पूरी करने के पश्चात रिटायर हो चुके हैं एवं अब घर आ गए हैं।

घर वापस आने के पश्चात उन्होंने जिन समस्याओं या उपेक्षाओं को अपने जहन में महसूस किया वह इस प्रकार है —

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

• एकाकीपन की समस्या

सेवा पूर्ण करने के पश्चात जब गजाधर बाबू घर आते है, तो उन्हें अकेला पाते है। अब उनके कोई सम्बंधी कोई काम नही है; तो हरवक्त का खालीपन उन्हें काटने को दौड़ता है।

• अपने घर में अजनबी महसूस करना –

घर वापस आने पर उन्हे अपने ही घर में मेहमान की तरह लगना पड़ता है। अपना बड़ी खाट इसका प्रतीक है।

• पारिवारिक सदस्यों द्वारा उपेक्षा –

उनके बच्चे यथा बेटे, बहू और बेटी उनकी उपेक्षा करते है।

7) पत्नी द्वारा अकेला छोड़ देना –

[illegible] पत्नी को अपनी संगिनी [illegible] चाहिए था, वह भी गृहस्थी को अपनी इकाई समझ बैठी है। उम्र भर वह अकेले पड़ जाते हैं। इनका साथ देने वाला कोई नहीं है।

कमोबेश, यही आज के समाज की वास्तविकता है। व्यक्ति अपनी जड़ें भूल रहा है।

" कंगूरे में जड़े वे,
हवा से बिखर गए
नींव के पत्थर
। धोखा नहीं करते। "

आज के समाज में व्यक्ति को अपने मूल को (माता-पिता / संरक्षक) के प्रति सदैव सहृदय, प्रेमी एवं सेवा भाव रखना चाहिए।

Paper Code

22

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

23

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion